राष्ट्रीय संस्कार निर्माण शिविर का शुभारंभ

जैन विद्वान बनने का लक्ष्य बनाएं : आचार्य महाप्रज्ञ

लाडनूं, 21 मई।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा आयोजित दस दिवसीय राष्ट्रीय संस्कार निर्माण शिविर का शुभारंभ राष्ट्रसंत आचार्यश्री महाप्रज्ञ के सान्निध्य एवं युवाचार्य महाश्रमण के निर्देशन में जैन विश्व भारती स्थित नवनिर्मित अहिंसा भवन में हुआ। देश के कोने–कोने से इस शिविर में भाग लेने पहुंचे शिविरार्थी जुलूस के साथ उद्घोषों से आकाश को गुंजाते हुए अहिंसा भवन पहुंचे। शिविर प्रतिक चिन्ह युक्त गणवेश में शिविरार्थी सबका ध्यान अपनी ओर खींच रहे थे। तेज गर्मी भी शिविरार्थियों के उत्साह को कम नहीं कर पाई।

शिविर उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए अणुव्रत अनुशास्ता राष्ट्रसंत आचार्यश्री महाप्रज्ञ ने कहा कि वर्तमान में सबका ध्यान इंजीनियरिंग, सी.ए., एम.बी.ए. की तरफ जा रहा है। यह शिक्षा आर्थिक दृष्टि से उचित है पर संस्कार निर्माण की दृष्टि से कमी रह जाती है। कुछ बच्चों का लक्ष्य भारतीय विद्या का ज्ञान करके एवं जैन विद्वान बनने का भी होना चाहिए। उन्होंने जैन विद्वान तैयार करने के लिए युवाचार्य महाश्रमण एवं सभी कार्यकर्त्ताओं को ध्यान देने का इंगित किया।

उन्होंने कहा कि गर्मी का मौसम है, पर हमारा मस्तिष्क शीतल हो तो गर्मी बाधा नहीं पहुंचायेगी। संस्कार निर्माण शिविर में मस्तिष्क को शीतल बनाने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे भीतर सदाचार, नैतिकता के संस्कारों की शक्ति है। उसे जागृत रखने का प्रशिक्षण जरूरी है।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि ऐसे शिविरों का आयोजन करने का उद्देश्य संस्कार निर्माण करना एवं जैन विद्या का अध्ययन करवाना है। उन्होंने कहा कि ज्ञानशाला संस्कार निर्माण का सशक्त माध्यम है।

मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभा ने कहा कि इन शिविरों से आचार्यप्रवर का जैन विद्वान तैयार करने का सपना पूर्ण होगा। साध्वी शुभप्रभा ने कहा कि इस शिविर में अध्यात्म, व्यवहार, तत्त्व एवं सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण दिया जायेगा। उन्होंने शिविरार्थियों को समर्पण अनुशासन, कर्त्तव्यनिष्ठा समयबद्धता को अपनाने की प्रेरणा दी।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा की ओर से राष्ट्रीय संस्कार निर्माण शिविर संयोजक भूपेन्द्र मूथा ने आगुंतकों का स्वागत किया एवं आचार्य महाप्रज्ञ, युवाचार्य महाश्रमण का शिविरों के आयोजन हेतु अनुमति देने के लिए आभार जताया। शिविर मंगलाचरण अर्हं अर्हं की वंदना फले गीत से शिविरार्थियों ने किया। संचालन मुनि जितेन्द्र कुमार ने एवं आभार अभयराज कोठारी ने किया।

बालिकाओं की प्रस्तुति ने मन मोहा

लाडनूं, 21 मई।

राष्ट्रीय संस्कार निर्माण शिविर में बैंगलोर से भाग लेने आई बालिकाओं को प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया। उनकी निर्भय एवं आकर्षक प्रस्तुति पर सबने ओम अर्हम के द्वारा अपने हर्ष को प्रकट किया। बालिकाओं ने अपनी प्रस्तुति में इस शिविर में आने के कारणों का उल्लेख करते हुए बताया कि पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव ने भावी पीढी को गुमराह किया है। शिविर में अनुशासन का प्रशिक्षण दिया जायेगा। देश 60 क्षेत्रों से 250 शिविरार्थी भाग ले रहे हैं।